भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

03.03.2016 को राज्य सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 800

जापान और फ्रांस के साथ असैन्य नाभिकीय समझौता

800. **श्री तरुण विजय:**

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) **जापान और फ्रांस के साथ असैन्य नाभिकीय समझौते में कितनी प्रगति हुई है; और**

(ख) **असैन्य नाभिकीय ऊर्जा योजनाओं की भावी दिशा के साथ-साथ ऊर्जा का कितना उत्पादन होगा तथा जनता से प्रति इकाई कितनी कीमत वसूली जाएगी**?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) **ब्यौरा निम्नानुसार है:**

(i) **दिसम्बर, 2015 में जापान के प्रधान मंत्री की भारत यात्रा के दौरान, जापान के साथ द्विपक्षीय असैन्य नाभिकीय सहकार करार के संबंध में बातचीत संपन्न हुई, और दोनों पक्षों ने पुष्टि की है कि, आवश्यक आंतरिक प्रक्रियाओं से संबंधित तकनीकी विवरणों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही करार पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।**

(ii) **भारत और फ्रांस के बीच 'नाभिकीय ऊर्जा के शांतिमय उपयोगों के विकास' पर वर्ष 2008 में किए गए करार के अनुसरण में, जैतापुर, महाराष्ट्र में नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की स्थापना करने के लिए, परियोजना के तकनीकी-व्यावसायिक प्राचलों को अंतिम रूप देने हेतु फ्रांस के साथ बातचीत चल रही है। जनवरी, 2016 में, फ्रांस के राष्ट्रपति के भारत दौरे के दौरान, दोनों पक्ष वर्ष 2016 में जैतापुर नाभिकीय विद्युत परियोजना के मामले में सहयोग हेतु रूपरेखा तैयार करने के लिए की जा रही बातचीत को गति प्रदान करने पर सहमत हुए।**

(ख) **वर्तमान में, देश में कुल क्षमता 5780 मेगावाट वाले इक्कीस (21) नाभिकीय विद्युत रिएक्टर हैं। 4300 मेगावाट क्षमता के रिएक्टर कमीशनिंग/निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। कमीशनाधीन/निर्माणाधीन**

परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने पर वर्ष 2019 तक, कुल स्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता के 10080 मेगावाट तक पहुँचने की आशा है। कुल 3400 मेगावाट क्षमता की दो परियोजनाओं के लिए संस्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इनमें से एक परियोजना, कुडनकुलम, तमिलनाडु में, कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना (केकेएनपीपी) 3 तथा 4 (2x1000 मेगावाट) के लिए खुदाई का कार्य आरंभ हो चुका है। एक अन्य परियोजना, गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना (2x700 मेगावाट) को निर्माण कार्य आरंभ करने के लिए तैयार किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, भविष्य में स्वदेशी प्रौद्योगिकी एवं विदेशी तकनीकी सहयोग पर आधारित परियोजनाओं को स्थापित करने के बारे में भी विचार किया गया।

नाभिकीय विद्युत संयंत्रों से उत्पादित बिजली की वर्तमान शुल्क-दरें, पहले उत्पादन संयंत्र की 97 पैसे प्रति यूनिट से लेकर हाल ही में कमीशन किए गए नवीनतम संयंत्र की 394 पैसे प्रति यूनिट के बीच हैं। वर्ष 2014-15 में, नाभिकीय विद्युत की औसत शुल्क-दर लगभग 278 पैसे प्रति यूनिट थी। नाभिकीय विद्युत संयंत्रों से उत्पादित विद्युत की दरें, उस क्षेत्र में अन्य विद्युत उत्पादन प्रौद्योगिकियों वाले समकालीन संयंत्रों में उत्पादित विद्युत की शुल्क-दरों के तुलनीय हैं।

****